एक वर्ष के कार्यकाल के आलोक में प्रकाशित 'अभ्युदय की ओर' पुस्तक का लोकार्पण

राज्यपाल ने लोकार्पण के लिए रामदेवरा की सोमती देवी का आभार जताया

रामदेवरा की भीलों का बास निवासी सोमती देवी ने किया राज्यपाल के एक वर्ष के कार्यकाल की पुस्तक 'अभ्युदय की ओर' का लोकार्पण

जयपुर, 1 सितंबर। राजस्थान के इतिहास में वह क्षण सदा के लिए स्वर्णिम अक्षरों में अंकित हो गया जब राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे के आग्रह पर सोमवार को रामदेवरा की भीलों का बास निवासी सोमती ने उनके एक वर्ष के कार्यकाल की पुस्तक 'अभ्युदय की ओर' का लोकार्पण किया।

राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने अपने एक वर्ष का कार्यकाल आदिवासी, जनजाति और गांव गरीब के लोगों को समर्पित किया है। उनकी यह मंशा थी कि उनके एक वर्ष कार्यकाल की पुस्तक का लोकार्पण लोक आस्था के पावन धाम में किसी महिला से हो। भीलों का बास निवासी सोमती देवी को इसके लिए चुना गया।

राज्यपाल ने कहा कि 'अभ्युदय की ओर' का अर्थ है, सर्व कल्याण। सबकी उन्नति। सबके समान उत्थान के लिए कार्य। उन्होंने रामदेवरा की महिला सोमती द्वारा 'अभ्युदय की ओर' पुस्तक लोकार्पण के लिए आभार भी जताया।

उल्लेखनीय है कि राज्यपाल श्री बागडे ने राजस्थान में अपने एक वर्ष के कार्यकाल को उदयपुर जिले की आदिवासी ग्राम पंचायत बिलवान कोटड़ा में मनाया था। एक वर्ष पूर्ण होने पर उन्होंने जनजातीय लोगों के मध्य ही रात्रि विश्राम कर उनसे मिल बैठ संवाद कर मनाया था।

'अभ्युदय की ओर पुस्तक'

राज्यपाल के रूप पदभार ग्रहण के बाद से ही राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे का निरंतर यह प्रयास रहा है कि सभी क्षेत्रों में राजस्थान 'अभ्युदय की ओर' बढ़ें। इसी के तहत उन्होंने राज्य के विकास से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए सभी जिलों का सघन दौरा किया। वहां के लोगों से संवाद किया। जिलों में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं, विकास कार्यक्रमों, जन हित से जुड़ी नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया। पुस्तक में इन सबसे जुड़ी महती सामग्री संजोई गई है।

पुस्तक में उनके द्वारा रासायनिक खेती के खतरों को देखते हुए प्राकृतिक खेती के लिए किए कार्य, सहकारिता की भावना के साथ सभी क्षेत्रों विकास के साझा प्रयास, डेयरी और आदिवासी क्षेत्रों में सर्वांगीण विकास के लिए किए कार्य और प्रदेश में विश्वविद्यालयों को उच्च गुणवत्ता की दृष्टि से समृद्ध किए जाने, नेक एक्रीडेशन आदि के लिए हुई पहल को संजोया गया है।

———

सत्यमेव जयते

अभ्युदय की ओर

2024-2025